अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की सदस्यता (Membership of IMF)

(i) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा की सदस्यता कोई भी संप्रभु राष्ट्र प्राप्त कर सकता है। इसके लिये उस राष्ट्र को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के कार्यकारी मंडल के समक्ष आवेदन करना होता है। कार्यकारी मंडल गहन जाँच के बाद उस राष्ट्र को कोष का सदस्य बनाए जाने तथा उसके कोटे एवं मताधिकार के निर्धारण के संबंध में गवर्नर मंडल को प्रस्ताव देता है। गवर्नर मंडल उस राष्ट्र की सदस्यता के संदर्भ में अंतिम निर्णय लेता है।

(ii) आवेदक राष्ट्र को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की सदस्यता प्राप्त होने पर कोटा निर्दिष्ट किया जाता है। सदस्य देश का कोटा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ उसके वित्तीय एवं संगठनात्मक संबंधों को निर्धारित करता है, जिसमें अंशदान, मतदान शक्ति तथा वित्त तक पहुँच शामिल है।

(iii) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सदस्य देश का अंशदान वह अधिकतम वित्तीय संसाधन है जिसे प्रदान करने के लिए सदस्य देश बाध्य होता है। सदस्य देश को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में शामिल होने पर अपने अंशदान का पूरा भुगतान करना पड़ता है।

(iv) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में सदस्य देश का कोटा कोष के निर्णयों में सदस्य देश की ~~मतद~~ मतदान शक्ति के निर्धारण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

(v) किसी सदस्य को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से प्राप्त होने वाले आर्थिक संसाधनों का निर्धारण सदस्य देश के कोटा के माध्यम से किया जाता है।

भारत एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (India and IMF)

(1) भारत, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के संस्थापक सदस्यों में से एक है। यह 27 December 1945 को IMF में शामिल हुआ।

(2) भारत एवं IMF के मध्य सदैव मित्रवत् संबंध रहे हैं। पूर्व में IMF भारत को भुगतान संतुलन की समस्या के समाधान हेतु ऋण उपलब्ध कराया गया जबकि ~~भारत~~ वर्तमान में भारत इसके निक्षेपक राष्ट्रों में शामिल है।

(3) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की 14वीं सामान्य समीक्षा लागू किये जाने के पश्चात् इसमें भारत का कोटा 2.76% तथा मताधिकार 2.64% हो गया है। इस प्रकार भारत अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का 8वाँ सबसे अधिक कोटाधारक एवं मताधिकार वाला राष्ट्र बन गया है।

(4) वर्ष 1991 के दौरान IMF द्वारा भारत को कर्ज प्रदान करते समय शर्तावलियाँ आरोपित की गई, फलस्वरूप भारत द्वारा नई आर्थिक नीतियाँ लागू की गई जिनके अंतर्गत उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

(5) भारत IMF में अपनी भूमिका में वृद्धि के लिये सेवत प्रयासरत रहा है इसी क्रम में भारत द्वारा IMF के कोटा एवं प्रशासनिक सुधार हेतु लगातार मांग की जा रही है।

Scanned with CamScanner

डॉ० शाहिद हुसैन
अर्थशास्त्र विभाग
... राम कृ० सिंह
महाविद्यालय, सहरसा

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा ...

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की कल्पना प्रथम बार वर्ष 1944 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आयोजित ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में की गई थी। इस सम्मेलन का आयोजन संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यू हैम्पशायर नामक शहर के ब्रेटन वुड्स नामक स्थान पर किया गया था।

ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (IBRD) के गठन की भी कल्पना की गई थी। अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक विश्व बैंक समूह की महत्त्वपूर्ण संस्था है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (विश्व बैंक) को प्राय: संयुक्त रूप से ब्रेटन वुड्स के जुड़वां (Bretton Woods Twins) के नाम से जाना जाता है।

ब्रेटन वुड्स सम्मेलन के निर्णयानुसार अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की औपचारिक स्थापना 27 December 1945 को संयुक्त राज्य अमेरिका के वाशिंगटन शहर में हुई थी, परन्तु इसने वास्तविक रूप से 1 मार्च 1947 से कार्य करना शुरू किया।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के वर्तमान में 189 सदस्य हैं। नौरू गणराज्य (Republic of Nauru) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का सदस्य बनने वाला आखिरी (189)वां देश है।

क्रिस्टिन लेगार्ड (Christine Lagarde) वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक हैं। इसके प्रथम प्रबंध निदेशक कैमिल गट्ट (Camille Gutt) थे।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की जिम्मेदारियाँ :-

(1) अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देना।
(2) सभी सदस्य देशों के आर्थिक विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के संतुलित विकास को सुविधाजनक बनाना।
(3) सदस्य देशों की मुद्रा विनिमय दर की स्थिरता को बढ़ावा देना।
(4) सदस्य देशों को भुगतान संतुलन की समस्या के समय आर्थिक सहायता प्रदान करना।
(5) बहुपक्षीय भुगतानों की व्यवस्था स्थापित करके विनिमय प्रतिबंधों को समाप्त करना या कम करना।
(6) धन शोधन तथा आतंकवाद के वित्तीयन को रोकने हेतु सदस्य देशों तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को सहयोग प्रदान करना।
(7) विश्व में गरीबी को कम करने के लिये प्रयास करना।

Scanned with CamScanner